कोहली और गंभीर के बीच किसी ब्रिज की जरूरत नहीं : सितांशु कोटक

कार्डिफ (यूके)

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के बीच मतभेदों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों के बीच नियमित बातचीत होती है और उन्हें किसी मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत की चार विकेट से हार के बाद आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में कोटक ने स्पष्ट किया कि अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली से उनकी बातचीत केवल बल्लेबाजी से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच संवाद का माध्यम बने हुए हैं, तो कोटक ने कहा, नहीं, विराट और गौतम शायद 10-12 बार बात कर चुके होंगे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी ब्रिज की जरूरत है।

बल्लेबाजी पर हुई थी चर्चा

कोटक ने बताया कि विराट ने खुद बल्लेबाजी से जुड़े कुछ पहलुओं पर उनसे चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि इतने अनुभवी बल्लेबाज को बिना जरूरत तकनीकी सलाह देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा, विराट बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले कुछ चीजों पर बात करना चाहते थे। ईमानदारी से कहूं तो जब तक उन्हें खुद किसी बात की जरूरत महसूस न हो या कोई बड़ी तकनीकी बात नजर न आए, तब तक उनकी बल्लेबाजी में ज्यादा दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने फुटवर्क और कुछ अन्य पहलुओं को लेकर मुझसे चर्चा की थी और नेट्स के बाद भी इसी विषय पर बात हुई।

अफवाहों को बताया निराधार

कोटक ने कोहली और गंभीर के रिश्तों को लेकर चल रही चर्चाओं को भी सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा, इन अफवाहों की बात करें तो मुझे नहीं पता कि ये कहां से आती हैं, लेकिन आती जरूर हैं।

दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने की वापसी

मैच की बात करें तो सोफिया गार्डन्स, कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। 234 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जो रूट ने नाबाद 99 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने विल जैक्स (30) के साथ 72 रन की अहम साझेदारी की, जबकि गस एटकिंसन 23 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड ने लक्ष्य लगभग छह ओवर शेष रहते हासिल कर लिया। इससे पहले भारत ने विराट कोहली (65) और श्रेयस अय्यर (66) के अर्धशतकों की बदौलत 44 ओवर में 233 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने 31 और रोहित शर्मा ने 26 रन बनाए, जबकि बीमार केएल राहुल की जगह खेलने वाले ईशान किशन केवल एक रन बना सके।

इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि साकिब महमूद को दो सफलताएं मिलीं।

न्यूज ब्रीफ

पीवी सिंधु जापान ओपन के सेमीफाइनल में, अब चीन की चेन यूफेई से होगी टक्कर

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी और मेजबान जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण मुकाबले से हट गईं, जिसके चलते सिंधु को वाकओवर मिल गया। इस जीत के साथ सिंधु ने वर्ष 2023 के डेनमार्क ओपन के बाद पहली बार किसी सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। साथ ही यह वर्ष 2026 में उनका तीसरा सेमीफाइनल भी है, जो इस सीजन में उनकी शानदार वापसी को दर्शाता है। सत्र की शुरुआत विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान से करने वाली सिंधु अब शीर्ष-10 में वापसी कर चुकी हैं और वर्तमान में विश्व नंबर-9 हैं। सेमीफाइनल में चेन यूफेई से होगी चुनौती सेमीफाइनल में सिंधु का सामना चीन की पूर्व ओलंपिक चैंपियन और विश्व नंबर-4 चेन यूफेई से होगा। चेन ने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू जिन को 21-10, 21-12 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। सिंधु और चेन के बीच अब तक 14 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें चीनी खिलाड़ी 8-6 से आगे हैं।

लुइस सुआरेज़ ने रोनाल्डो नाज़ारियो को बताया सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9, साझा की तस्वीर

मोंटेवीडियो (उरुग्वे)। उरुग्वे के स्टार फुटबालर लुइस सुआरेज़ ने ब्राजील के महान फुटबालर रोनाल्डो नाज़ारियो के साथ मुलाकात के बाद भावुक पोस्ट साझा करते हुए उन्हें सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9 बताया है।

सुआरेज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रोनाल्डो नाज़ारियो के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ नंबर-9! रोनाल्डो नाज़ारियो को फुटबाल इतिहास के महानतम स्ट्राइकरों में गिना जाता है। उन्होंने ब्राजील को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी और अपने शानदार करियर के दौरान कई व्यक्तिगत और टीम सम्मान हासिल किए। हैरी केन के साथ भी साझा की थी खास तस्वीर इससे पहले फीफा विश्व कप 2026 के दौरान इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन के साथ भी एक खास पल साझा किया था। सुआरेज ने एक्स पर दोनों खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, एक शानदार नंबर-9 के साथ! आपसे मिलकर खुशी हुई। तस्वीर में सुआरेज और केन एक-दूसरे की नंबर-9 जर्सी थामे नजर आए। दोनों दिग्गज स्ट्राइकरों ने गर्मजोशी से मुलाकात की और आपस में जर्सी का आदान-प्रदान किया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी पसंद की गई।

टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर डिविलियर्स ने चिन्ता जतायी

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईपीएल के सितारों को जमीनी हकीकत समझने की जरुरत है। डिविलियर्स ने टी20 प्रारुप में भारतीय टीम के गिरते हुए प्रदर्शन को लेकर ये बात ही है। डिविलियर्स ने कहा कि आईपीएल में धमाकेदार पारियां खेलने वालों को ये समझना चाहिये कि लीग और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर में काफी अंतर होता है। उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम लिए बिना कहा कि आईपीएल में रनों का पहाड़ बनाने वाले खिलाड़ियों को अब जमीन पर वापस आने की जरूरत है। माना जा रहा है कि उनका संकेत आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की ओर था। डिविलियर्स ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हर समय पांचवें गियर में खेलने का खेल नहीं है क्योंकि यहां कमजोर गेंदबाज नहीं मिलते, बल्कि हर प्रतिद्वंद्वी विश्व स्तरीय होता है। डिविलियर्स ने जोर दिया कि बल्लेबाजों को हालातों के अनुकूल ढलते हुए एक या दो से अधिक गियर में खेलना आना चाहिए। उनके अनुसार भारतीय टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड से मिली हार को देखते हुए अब संभल जाना चाहिये। वहीं भारतीय टीम की हार के बाद से ही मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। ये कहा जा रहा है कि जिस प्रकार से वह टीम में लगातार बदलाव करते हैं वह टीम को नुकसान पहुंचा रहा है। वहीं डिविलियर्स का मानना है कि केवल कोच को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं, बल्कि मैदान पर उतरने वाले खिलाड़ियों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को पाकिस्तान के आबिद से भिड़ेंगे, मुकाबले को लेकर तनाव में आयोजक

कुआलालम्पुर

भारत के एमएमए फाइटर संग्राम सिंह रविवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में होने वाले एक मुकाबले में पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली से भिड़ेंगे। एशिया चैम्पियन एमएमए के तहत होने वाले इस खिताबी मुकाबले को लेकर जहां लोगों में काफी उत्साह है। वहीं मलेशियाई आयोजक समिति के अध्यक्ष इस्माइल मारजुकी बिन और सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इनका कहना है कि इस मुकाबले के आयोजन को लेकर वे तनाव में हैं। उनका मानना है कि यह मुकाबला उनके आयोजन को सफल भी बना सकता है और ये भी हो सकता है कि इससे उनकी मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने सख्त सुरक्षा इंतज़ाम किए गए हैं। कुआलालंपुर में होने वाले इस हाई-वोल्टेज आयोजन को लेकर एमएमए प्रेमियों में ज़बरदस्त उत्साह है। टिकटों की बिक्री भी तेज़ी से हो रही है, जिनकी कीमत 50 रिंगित (लगभग 1200 रुपए) से लेकर 1500 रिंगित (करीब 42 हजार रुपए) तक निर्धारित की गई है। आयोजक इस्माइल और मोहम्मद हाकिम टिकटों की बिक्री को लेकर बेहद रोमांचित हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में तकरीबन 1 लाख 60 हज़ार भारतीय रहते हैं, जबकि पाकिस्तानियों की संख्या 20 हज़ार से भी कम है। आयोजकों को पूरी उम्मीद है कि इस फाइट के दौरान एमएमए प्रशंसकों के हाथों में चारों ओर तिरंगा लहराता दिखाई देगा, जो मुकाबले में एक अलग ही जोश भर देगा। पेशेवर कुश्ती में दोहरे हैवीवेट चैम्पियन रह चुके संग्राम सिंह मानसिक रूप से बेहद मज़बूत दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनका रिकार्ड भी शानदार रहा है। उनकी पहली एमएमए फाइट भी पाकिस्तानी फाइटर अली रज़ा नासिर के खिलाफ थी, जिसे उन्होंने गामा इंटरनैशनल फाइटिंग चैम्पियनशिप के अंतर्गत महज़ 90 सेकंड में जीत लिया था। इससे पहले, फरवरी 2024 में दुबई में हुई एक रेसलिंग बाउट में भी उन्होंने पाकिस्तान के ही मोहम्मद सईद को 18 मिनट चले मुकाबले में हराया था। यह संग्राम सिंह की चौथी एमएमए फाइट है। अपनी पिछली फाइट में उन्होंने ब्यूनस आयर्स में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन काउडियर को महज 1 मिनट 45 सेकंड में हराकर जीत की हैट्रिक पूरी की थी।

असुंता लाकड़ा के आरोपों पर स्वतंत्र जांच की मांग, खेल मंत्रालय से दिलीप टिर्की ने की यह अपील

नई दिल्ली। हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पूर्व भारतीय महिला हाकी खिलाड़ी असुंता लाकड़ा द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और डराने-धमकाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए खेल मंत्रालय से स्वतंत्र जांच समिति गठित करने का अनुरोध किया है। तिर्की का कहना है कि चूंकि आरोप हाकी इंडिया के एक पदाधिकारी से जुड़े हैं, इसलिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के जरिए जांच कराने पर निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ सकते हैं। खेल मंत्रालय को भेजा ईमेल खेल मंत्रालय ने हाल ही में हाकी इंडिया को निर्देश दिया था कि वह लाकड़ा की ओर से लगाए गए उत्पीड़न और धमकी के आरोपों की जांच के लिए अपनी आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की प्रक्रिया को आगे बढ़ाए। इसके जवाब में बुधवार को खेल मंत्रालय को भेजे गए ईमेल में टिर्की ने कहा, हाकी इंडिया इन आरोपों को बेहद गंभीरता से लेता है और खिलाड़ियों की सुरक्षा, गरिमा और संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हालांकि, चूंकि आरोप हाकी इंडिया के कुछ पदाधिकारियों से जुड़े हैं, इसलिए मामले को हाकी इंडिया की आईसीसी के पास भेजने से जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठ सकते हैं। उन्होंने मंत्रालय से आग्रह किया कि मामले की जांच के लिए हाकी इंडिया से असंबद्ध व्यक्तियों की स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाए, ताकि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र तरीके से हो सके। हर संभव सहयोग का भरोसा दिलीप टिर्की ने अपने ईमेल में यह भी भरोसा दिलाया कि यदि मंत्रालय स्वतंत्र जांच समिति गठित करता है तो हाकी इंडिया जांच में पूरा सहयोग करेगा। असुंता लाकड़ा ने लगाए हैं गंभीर आरोप इससे पहले असुंता लाकड़ा ने खेल मंत्रालय को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हाकी इंडिया यौन उत्पीड़न, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें डराने-धमकाने के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को संरक्षण दे रहा है। लाकड़ा ने विशेष रूप से हाकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह पर उन्हें डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। कार्यकारिणी सदस्यों से गोपनीयता बनाए रखने की अपील दिलीप टिर्की ने हाकी इंडिया की कार्यकारिणी के सदस्यों को भी ईमेल भेजकर अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से जांच पूरी होने तक पूर्ण गोपनीयता बनाए रखने और किसी भी ऐसी टिप्पणी या कार्रवाई से बचने की अपील की, जिससे जांच प्रभावित हो सकती हो।

पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने बताया विराट की सफलता का राज

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा है अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपने कौशल और खेलने के तरीकों पर पूरा भरोसा रहता है और इसी कारण वह इतने सफल है। नायर के अनुसार जब विराट खराब दौर से गुजरते हैं तब भी वह अपनी तकनीक पर भरोसा बनाये रखते हैं और किसी प्रकार के बदलाव के बारे में नहीं सोचते। यही उनके महान होने का करण है। नायर ने कहा कि अपने तरीकों पर अटूट भरोसा ही उनकी लगातार सफलता का मूल कारण है।

नायर ने कहा कि आस्ट्रेलिया के दौरे में जब विराट रन नहीं बना पा रहे थे तब भी अपने खेलने के तरीके पर बने हुए थे। नायर का मानना है कि यही अंतर दिग्गज और आम खिलाड़ियों के काम करने के तरीके में होता है। कोहली की मानसिक दृढ़ता और उनके अटूट विश्वास पर प्रकाश डालते हुए, नायर ने कहा कि वह विराट को लंबे समय से जानते हैं, लेकिन हाल ही में उन्हें समझ आया कि कोहली की महानता का रहस्य उनका दृढ़ भरोसा है, जो किसी भी परिस्थिति में नहीं बदलता। नायर ने एक घटना का जिक्र किया जब आस्ट्रेलिया में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान कोहली संघर्ष कर रहे थे और दो बार शून्य पर आउट हुए थे। उस समय उन्होंने कोहली से संपर्क किया था यह जानने के लिए कि वह इस खराब दौर का सामना कैसे कर रहे हैं। तब कोहली ने काफी शांत तरीके से उनका जवाब दिया था। नायर ने बताया, मैंने उनसे पूछा कि क्या सब ठीक है और क्या वह किसी बात पर चर्चा करना चाहेंगे। उन्होंने बस इतना कहा, नहीं, सब ठीक है। यह खेल का हिस्सा है। उनका आत्मविश्वास जरा भी कम नहीं हुआ था। नायर ने कहा कि उन्होंने कोहली से एक तकनीकी अवलोकन साझा करने की अनुमति मांगी। पर उन्होंने मना कर दिया क्योंकि उन्हें अपने पर पूरा भरोसा था। नायर के लिए, यह घटना बखूबी दर्शाती है कि उन खिलाड़ियों को क्या अलग बनाता है जो लगातार उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। उनका मानना है कि चैंपियन खिलाड़ी अपने वर्षों के अनुभव और अपने काम के तरीके पर पूरा भरोसे करते हैं खासकर तब जब परिणाम उनके पक्ष में नहीं होते।

खंडवा के आशुतोष सिंह भारतीय शतरंज टीम में चयनित, कजाकिस्तान में खेलेंगे शतरंज ओलिंपियाड

नईदुनिया प्रतिनिधि, खंडवा: जिला शतरंज संघ के पूर्व सचिव आशुतोष सिंह का चयन सितंबर में कजाकिस्तान के समरकंद में आयोजित होने वाले शतरंज ओलिंपियाड के लिए भारतीय टीम में हुआ है। उनके चयन से जिले के शतरंज खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेश बछानिया ने बताया कि आशुतोष सिंह लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्हें ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज प्रतियोगिता में तीन बार स्वर्ण पदक मिल चुका है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ट्रॉफी और राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप-2026 में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी अंतरराष्ट्रीय फीडे रेटिंग 1952 है।

उन्होंने बताया कि 10 से 18 सितंबर 2026 तक समरकंद (कजाकिस्तान) में आयोजित होने वाले शतरंज ओलिंपियाड में भारत की ओर से शीर्ष चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें आशुतोष सिंह भी शामिल हैं।

आशुतोष सिंह के चयन पर कलेक्टर ऋषव गुप्ता, जिला शतरंज संघ के सचिव अजीत जैन, उपाध्यक्ष रविन्द्र थत्ते, सुनील शर्मा सहित संघ के पदाधिकारियों और शतरंज प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

फीफा विश्व कप से बाहर होने के बाद बेलिंघम का भावुक संदेश, बोले-एकजुट रहेंगे तो बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से हारकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद इंग्लैंड के स्टार फुटबालर जूड बेलिंघम ने प्रशंसकों के नाम भावुक संदेश साझा किया है। उन्होंने टीम को पूरे टूर्नामेंट में मिले शानदार समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए देशवासियों से एकजुटता बनाए रखने की अपील की।

रियल मैड्रिड के मिडफील्डर बेलिंघम ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर लिखा कि सेमीफाइनल में मिली हार के बाद उन्हें अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल हो रहा था, लेकिन प्रशंसकों का प्यार और समर्थन उनके लिए बेहद खास रहा।

प्रशंसकों को कहा धन्यवाद

बेलिंघम ने अपने संदेश में लिखा, कल और पिछले कुछ हफ्तों को लेकर सही शब्द ढूंढना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। लेकिन हमारे ड्राइवर ने जो कहा, उसने मेरी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त कर दिया। इंग्लैंड में मौजूद सभी लोगों और उन प्रशंसकों का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई खर्च कर अमेरिका आकर हमारा समर्थन किया।

उन्होंने आगे कहा, इस अभियान के साथ हमारे देश में दिखाई दी एकजुटता और प्यार खत्म नहीं होना चाहिए। जब हम साथ होते हैं तो बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं... और हम जरूर करेंगे। आप सभी से प्यार।

सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने छीनी जीत

इंग्लैंड का विश्व कप अभियान सेमीफाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 की हार के साथ समाप्त हुआ। इंग्लैंड ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बनाई थी, लेकिन अर्जेंटीना के एंजो फर्नांडीज ने बराबरी का गोल दाग दिया।

इसके बाद अतिरिक्त समय (स्टापेज टाइम) में लौतारो मार्टिनेज ने विजयी गोल कर अर्जेंटीना को फाइनल में पहुंचा दिया, जबकि इंग्लैंड का विश्व कप जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। बेलिंघम के संदेश को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इंग्लैंड के इस युवा स्टार ने विश्वास जताया कि यदि टीम और प्रशंसक इसी तरह एकजुट रहे, तो भविष्य में इंग्लैंड बड़ी सफलताएं हासिल करेगा।

नशे में होने के बाद भी सोबर्स सहित इन दिग्गजों ने बनाये हैं कई रिकार्ड

मुम्बई

हाल के दिनों में जिस प्रकार से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को नाइट क्लबा विवाद के बाद संन्यास पर मजबूर होना पड़ा वैसा पहले के समय के क्रिकेटरों के मामले में नहीं था। इसका कारण है कि आज काफी सख्त नियम हैं और खिलाड़ियों की फिटनेस पर काफी ध्यान दिया जाता है। ऐसे में कोई खिलाड़ी देर रात तक बाहर रहने या शराब पीने के बारे में सोच भी नहीं सकता।

वहीं पहले के दौर में इस प्रकार के सख्त नियम नहीं थे। तब महान आलराउंडर गैरी सोबर्स सहित कुछ खिलाड़ियों के लिए मैदान का अनुशासन उसके बाद के समय से नहीं जुड़ा था। ऐसे में वे रातभर बीच महफिलें सजाते और अगली सुबह भारी सिर व लड़खड़ाते कदमों के साथ मैदान पर उतरकर ऐसा करिश्मा कर जाते थे कि दर्शक हैरान रह जाते थे।

पार्टी के सबसे अधिक शौककीन वेस्टइंडीज के महानतम आलराउंडर गैरी सोबर्स थे। साल

1973 के लार्ड्स टेस्ट का एक बेहद मशहूर किस्सा उनसे जुड़ा है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच चल रहा था, लेकिन खेल खत्म होते ही सोबर्स सीधे किसी नाइट क्लब की ओर निकल पड़े। पूरी रात शराब के दौर चले और वह सुबह तड़के होटल लौटे। नींद पूरी होना तो दूर, वह ठीक से खड़े भी नहीं हो पा रहे थे।

जब वह मैदान पर पहुंचे, तो वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी चल रही थी। कप्तान रोहन कन्हाई के आउट होने के बाद जब सोबर्स क्रीज पर पहुंचे, तो उनकी हालत बेहद खराब थी। उन्हें गेंदें सही से दिखाई नहीं दे रही थीं और पेट दर्द से वह बेहाल थे। लेकिन अपनी अद्भुत प्रतिभा के दम पर वे खेलते रहे और देखते ही देखते शतक के करीब पहुंच गए। उन्होंने 150 रनों की बड़ी पारी खेलकर वेस्टइंडीज को मैच में एक पारी और 226 रनों से जीत दिलायी।

सोबर्स ने इससे पहले 1968 में आस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी महिला मित्र के साथ होटल चले गये। दूसरे दिन वह सीधे ही स्टेडियम पहुंचे और बल्लेबाजी के लिए उतर गये। उन्होंने 113 मिनट में तेजी से 132 रन बना दिये। साल 1958-59 के भारत दौरे पर भी उन्होंने रात के दो बजे तक शराब पीने के बाद अगले दिन पांच घंटे तक बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बना दिये। सोबर्स ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक ओपनर हर्शल गिब्स भी इसी प्रकार के खिलाड़ी थे।

अपनी आत्मकथा में गिब्स ने माना है कि उन्होंने अपने करियर के कई बड़े मैचों से कुछ घंटे पहले जमकर शराब पी थी। इसके बावजूद मैदान पर उनके प्रदर्शन में कमी नहीं आई। इंग्लैंड के आक्रामक आलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटाफ को पब और पार्टियों का बेहद शौक था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका एक यादगार टेस्ट शतक तब आया, जब वे पूरी तरह से हैंगओवर में थे। आस्ट्रेलियाई आलराउंडर एंड्रयू साइमंड्स भी इसी प्रकार के खिलाड़ी थे।

कई बार मैच की सुबह साइमंड्स गंभीर हैंगओवर में पाए गए, लेकिन उनकी अद्भुत फील्डिंग और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी टीम को कठिन हालातों से बाहर निकाल लाती थी।